



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 57]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 3, 2014/फाल्गुन 12, 1935

No. 57]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 3, 2014/PHALGUNA 12, 1935

वस्त्र मंत्रालय

[विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय]

संकल्प

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 2014

सं. 1/27/2011-डसीएच/समन्वय/एआईएचबी.—भारत सरकार के दिनांक 2 जनवरी, 2014, 13 जनवरी, 2014 और 13 फरवरी, 2014 के समसंख्यक संकल्प के क्रम में अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से नामांकित किया जाता है :-

1. श्री के. श्रीनिवासन,
सुपुत्र श्री एम. कृष्ण मूर्ति नायडू,
सं. 4 ए, नार्थ स्ट्रीट, तंजावुर जिला,
तिरुभुवनम-612103,
तमिलनाडु
2. श्री केतन वैकटेश्वर राव,
4/280-1, दूसरी मंजिल,
राज मैसन, गंगनम्मा स्ट्रीट,
गुडिवडा-521301,
आन्ध्र प्रदेश
3. श्रीमती के. बालामणि,
मकान सं. 12-2-398/25, मार्कंडेय नगर,
तत्लागडडा, कारवां, हैदराबाद-500006,
आन्ध्र प्रदेश
4. श्री राघवेन्द्रधीरा,
सुपुत्र श्री ईश्वरैय्या, एस. एन.
नं. 333, तीसरा ब्लॉक,
द एम्बेसी, अली असगर रोड, बंगलोर-1

2. उपर्युक्त सदस्यों की पदावधि वर्तमान में गठित बोर्ड के समवर्ती अर्थात् दिनांक 2 जनवरी, 2014 से 1 जनवरी, 2016 तक दो वर्षों के लिए होगी ।

3. बोर्ड/समिति के गैर-सरकारी सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय संप्रतीक का उपयोग न किए जाने संबंधी दिशा-निर्देशों के बारे में वस्त्र मंत्रालय के दिनांक 4-7-2011 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 14015/1/2011-सामान्य (प्रतिलिपि संलग्न) की ओर अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड के सभी गैर-सरकारी सदस्यों का ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

4. यह बोर्ड हथकरघा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और कलात्मक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र के समग्र विकास कार्यक्रम को तैयार करने में सरकार को सलाह देगा । यह बोर्ड विशेष रूप से निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सलाह देगा :-

- (i) बुनकरों में बेरोजगार और अल्परोजगार को कम करने और उनके रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने के लिए हथकरघा क्षेत्र को और अधिक प्रभावी बनाना
- (ii) हथकरघा की शिल्प परम्परा को बनाए रखना और इसमें अधिक सुधार करना
- (iii) हथकरघा की शिल्प परम्परा को बनाए रखना और इसमें अधिक सुधार करना
- (iv) इस क्षेत्र के लिए विभिन्न राज्य सरकारों/केन्द्र शासित क्षेत्रों के विकासात्मक प्रयत्नों में प्रभावी समन्वय स्थापित करने के लिए कदम उठाना
- (v) समय-समय पर इस उद्योग के विकास में हुई प्रगति की समीक्षा करना ।

5. इसे माननीय वस्त्र मंत्री के अनुमोदन से जारी किया जाता है ।

दिनेश कुमार, विकास आयुक्त (हथकरघा)

MINISTRY OF TEXTILES

(OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS)

RESOLUTION

New Delhi, the 28th February, 2014

No. 1/27/2011-DCH/Coordn./AIHB.—In continuation of Government of India Resolution of even number dated 2nd January, 2014, 13th January, 2014 and 13th February, 2014, the following persons have been nominated as Non-Official member of the All India Handloom Board:

S. No.	Name and addresses
1.	Shri K. Srinivasan S/o Shri M. Krishna Moorthy Naidu, No. 4A, North Street, Thanjavur District, Thirubuvanam-612103, Tamil Nadu
2.	Shri KetanaVenkateswara Rao, 4/280-1, IInd Floor, Raj Mansion, Ganganamma Street, Gudivada-521301, Andhra Pradesh
3.	Smt. K. Balamani, H. No. 12-2-398/25, Markandeya Nagar, Tallagadda, Karwan, Hyderabad-500006, Andhra Pradesh
4.	Shri Raghavendddhiraa S/o Shri Eshwaraiah S.N., No. 333, 3rd Block, "The Embassy", Ali Askar Road, Bangalore-1.

2. The term of the office of the above member will be concurrent with the presently constituted Board i.e. for a period of two years w.e.f. 2nd January, 2014 to 1st January, 2016.

3. Attention is invited to Member of All India Handloom Board towards Ministry of Textile's O.M. F. No. 14015/1/2011-Gen., dated 4.7.2011 regarding guidelines prohibiting use of national emblem by non-official members of Board/Committees (copy enclosed).

4. The Board will advise the Government in formulation of the overall development programme in the handloom sector keeping in view socio-economic, cultural and artistic perspective. In particular, the Board will advise the Government regarding achievement of the following objectives:—

- (i) to make handlooms an effective instrument for reducing unemployment and under-employment and to achieve higher living standards for weavers;
- (ii) to preserve and promote the craft heritage of our handlooms;
- (iii) to devise strategies for expanding markets for handlooms within the country and abroad;
- (iv) to take steps for effective co-ordination of developmental efforts of various State Governments/Union Territories in this sector; and
- (v) to review progress of development and welfare schemes of handloom weavers from time to time.

5. This issues with the approval of the Hon'ble Minister of Textiles.

DINESH KUMAR, Development Commissioner (Handlooms)